भारतीय दर्शन

(347)

शिक्षक अंकित मूल्यांकन पत्र

पूर्णांक-20 अंक

निर्देश: 1. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रश्न पत्र के दाहिनी तरफ अंक दिये गए है।
2. उत्तर पुस्तिका के प्रथम पृष्ठ पर अपना नाम, अनुक्रमांक संख्या, अध्ययन केंद्र का नाम लिखना है।

1. निम्न में से किसी एक प्रश्न का उत्तर 40-60 शब्दों में लिखिए- 2

   (क) सांख्य दर्शन के अनुसार तत्त्व कितने हैं? उनके प्रकृति विकृति भेददों को लिखिए। (पाठ-1)

   (ख) सांख्य दर्शन के अनुसार पुरुष स्वरूप पर टिप्पणी लिखिए। (पाठ-1)

2. निम्न में से किसी एक प्रश्न का उत्तर 40-60 शब्दों में लिखिए- 2

   (क) पुरुष असतीतत्व सिद्धि में कितने प्रमाण स्वीकृत हैं? लिखिए। (पाठ-1)

   (ख) सांख्य के मत में ईश्वर की क्या सत्ता है? लिखिए। (पाठ-2)

3. निम्न में से किसी एक प्रश्न का उत्तर 40-60 शब्दों में लिखिए- 2

   (क) 'प्रमा' क्या है? स्पष्ट कीजिए। (पाठ-5)

   (ख) उपाधि और विशेषण में क्या भेद है। लिखिए। (पाठ-5)

4. निम्न में से किसी एक प्रश्न का उत्तर 100-150 शब्दों में लिखिए- 4

   (क) इंद्रिय का करणत्व किस प्रकार से है? प्रतिपादित कीजिए। (पाठ-6)

   (ख) सुखादि विषय कैसे उत्पन्न होते हैं? विवेचना कीजिए। (पाठ-6)

5. निम्न में से किसी एक प्रश्न का उत्तर 100-150 शब्दों में लिखिए- 4

   (क) निर्गुण और सगुण ब्रह्म के लक्षणों को लिखिए। (पाठ-11)

   (ख) अद्वैत वेदान्त में माया शब्द का क्या अर्थ है? लिखिए। (पाठ-12)

6. निम्न में से किसी एक विषय पर एक परियोजना का निर्माण कीजिए- 6

   (क) 'ब्रह्म सत्य है, जगत मिथ्या है, जीव ब्रह्म से पर नहीं है' इसके आधार पर अद्वैत वेदान्त के सार को अपने शब्दों में विस्तार से लिखिए। (पाठ-11)

   (ख) 'तत्त्वमसि' इस वाक्य से आप क्या समझते हैं? विस्तार पोरवाक व्याख्या कीजिए। (पाठ-11)